GREEN LAWNS HIGH SCHOOL

TERMINAL EXAMINATION 2023 – 2024

SUB – HINDI CLASS – 10 A,B,C

TIME – 3 HOURS MARKS – 80

Answers to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Section A is compulsory – All questions in Section A must be answered.

Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same book you have studied. The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SCTION – A (40 Marks)

Attempt all questions from this section

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख

लिखिए :- [15]

(i) मोबाईल फोन और आधुनिक युग पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि मोबाईल फोन जीवन में सुविधा के साथ – साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है ।

(ii) वातावरण और वायुमंडल के अस्वस्थ होने पर आज सारा विश्व चिंतित है । इस प्रदूषण से केवल शहर ही नहीं अपितु गाँव भी प्रभावित हो रहे हैं । इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए जो भी उपाय आपके विचार में किए जा सकते हैं, लिखिए ।

(iii) “ बेटी पढ़ाओ तथा बेटी बचाओं “ योजना की शुरुवात किसने तथा कब की । इसके महत्व और उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए बताइए कि सरकार और समाज दोनों का इसमे क्या योगदान है ?

(iv) ‘मानो तो देव, नहीं तो पत्थर ‘– वाक्य से अंत करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए ।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना, अथवा कहानी लिखिए । जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।



Question 2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए । [7]

(i) वर्षा ऋतु में आपके नगर में पाइपों के जरिए आने वाला पानी बहुत गंदा आ रहा है । जल विभाग को पत्र लिखकर दूषित जल से होने वाले हानियों का परिचय देते हुए जन – साधारण के स्वास्थ्य को दृष्टि मैं रखते हुए उसमें सुधार लाने का निवेदन कीजिए ।

(ii) राष्ट्रपति द्वारा ‘वीर बालक पुरस्कार‘ से सम्मानित अपने छोटे भाई को बधाई पत्र लिखिए ।

Question 3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :- [10]

हरे-भरे पहाड़ पर बकरियाँ चरने जातीं तो दूसरे-तीसरे रोज एक-न-एक बकरी कम हो जाती। भेड़िए की इस धूर्तता से तंग आकर चरवाहे ने, वहाँ बकरियाँ चराना बंद कर दिया और बकरियों ने भी मौत से बचने के लिए बाड़े में कैद रहकर जुगाली करते रहना ही श्रेष्ठ समझा। लेकिन न जाने क्यों एक युवा नई बकरी को यह बंधन पसंद नहीं आया। अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतरकर किसी रोज बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छुपा लेता है। तब क्या शिकारी उसे बख़्श देता है? इन्हीं विचारों से ओत-प्रोत वह हसरत भरी नजरों से पर्वत की ओर देखती रहती। साथिनों ने उसे आँखों-आँखों में समझाने का प्रयत्न किया कि वह ऐसे मूर्खतापूर्ण विचारों को मन में न लाए। भोग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं। भेड़िए के मुँह हमारा खून लग चुका है, वह अपनी आदत से कभी बाज़ नहीं आएगा।

लेकिन नई युवा बकरी तो भेड़िए के मुँह में लगे खून को ही देखना चाहती थी। वह किस तरह छटपटाता है, यह करतब देखने की उसकी लालसा बलवती होती गई। आखिर एक रोज़ मौका पाकर बाड़े से वह निकल भागी और पर्वत पर चढ़कर स्वच्छंद विचरती, कूदती- फाँदती दिन भर पहाड़ पर चरती रही; मनमानी कुलेलें करती रही। भेड़िए को देखने की उसे उत्सुकता भी बनी रही, परन्तु उसके दर्शन न हुए। झुटपुटा होने पर लाचार, जब वह नीचे उतरने को बाध्य हुई तो रास्ते में दबे पाँव भेड़िया आता हुआ दिखाई दिया। उसकी रक्तरंजित आँखें, लपलपाती जीभ और आक्रमणकारी चाल से वह सब कुछ समझ गई। भेड़िया मुस्कराकर बोला, “तुम बहुत सुंदर और प्यारी मालूम होती हो। मुझे तुम्हारी जैसी साथिन की आवश्यकता थी। मैं कई रोज से अकेलापन महसूस कर रहा था। आओ, तनिक साथ-साथ पर्वतराज की सैर करें।“

बकरी को भेड़िए की बकवास सुनने का अवसर न था। उसने तनिक पीछे हटकर इतने जोर से टक्कर मारी कि असावधान भेड़िया सँभल न सका। यदि बीच का भारी पत्थर उसे सहारा न देता तो औंधे मुँह नीचे गिर गया होता।

भेड़िए की जिंदगी में यह पहला अवसर था। वह किंकर्तव्यविमूढ़-सा हो गया। टक्कर खाकर अभी वह सँभल भी न पाया था कि बकरी के पैने सींग उसके सीने में इतने जोर से लगे कि वह चीख उठा। क्षत-विक्षत सीने से लहू की बहती धार देख, भेड़िए के पाँव उखड़ गए। मगर एक निरीह बकरी के आगे भाग खड़ा होना उसे कुछ जँचा नहीं। वह भी साहस बटोरकर पूरे वेग से झपटा। बकरी तो पहले से ही सावधान थी; वह कतराकर एक ओर हट गई और भेड़िए का सिर दरख्त से टकराकर लहूलुहान हो गया।

लहू को देखकर अब भेड़िए के लहू में भी उबाल आ गया। वह जी-जान से बकरी के ऊपर टूट पड़ा। अकेली बकरी उसका कब तक मुकाबला करती? वह उसके दाँव-पेंच देखने की लालसा और अपने अरमान पूरे कर चुकी थी। साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई बेचारी ढेर हो गई।

बकरी मर जरूर गई, परन्तु भेड़िए को घायल करके मरी है। वह भी अब दूसरों पर अत्याचार करने के लिए जीवित नहीं रह सकेगा। सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर मरने को बाध्य करेंगे। काश, बकरी की अन्य साथिनों ने उसकी भावनाओं को समझा होता। छिपने के बजाय एक साथ वार किया होता तो वे आज बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने के बजाय पहाड़ पर निःशंक और स्वच्छंद विचरती होतीं।

(i)चरवाहे ने बकरियों को बाड़े में क्यों बंद कर दिया था ? बकरियों ने भी श्रेयस्कर क्या समझा ? [2]

(ii) युवा बकरी के मन में क्या विचार आया ? वह अकेली वन में क्यों चरने गई ? [2]

(iii) भेड़िया उसे कहाँ मिला और उसने बकरी से क्या कहा ? [2]

(iv) बकरी ने भेड़िए पर पहले आक्रमण क्यों किया? बकरी के आक्रमण से भेड़िए की क्या दशा हुई? [2]

(v) ‘अत्याचारी का जी जान से सामना करना चाहिए ।‘ इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए । [2]

Question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) ‘सचेष्ट’ का विलोम बताइए [1 ]

(a) प्रवेष्ट (b) उत्कृष्ट (c) निकृष्ट (d) निश्चेष्ट

(ii) ‘आदर’ का पर्यायवाची बताइए : [1]

(a) अपमान – बेईमान (b) अनुमति – निर्देश (c) अदब – इज्जत (d) आनंद – आह्लाद

(iii) ‘प्रगति’ का भाववाचक संज्ञा बताइए : [1]

(a) प्रगतिपन (b) प्रगतिशील (c) प्रगतित्व (d) प्रगतिशीलता

(iv) ‘अर्थ’ का विशेषण बताइए : [1]

(a) अर्थी (b) अर्थक (c) आर्थिक (d) आरथीक

(v) ‘बिमारियों’ का शुद्ध रूप बताइए : [1]

(a) बिमारियाँ (b) बिमारियां (c) बीमारियाँ (d) बीमारियां

(vi) ‘आँचल पसारना’ मुहावरे का अर्थ बताइए : [1]

(a) मतलब पूरा करना (b) याद रखना (c) भीख माँगना (d) नीचा दिखाना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए : [1]

गरीबों का जीवन कष्टों से भरा है । (‘जिंदगी’शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) गरीबों की जिंदगी कष्टों से भारी है । (b) गरीबों का जिंदगी कष्टों से भरा है ।

(c) गरीबों के लिए जिंदगी कष्ट भरी है । (d) गरीबों का जिंदगी कष्टों से भरी है ।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए : [1]

यह समाचार सुनकर वह प्रसन्न हुआ । (‘उसे’ शब्द का प्रयोग कीजिए )

(a) यह समाचार सुनकर उसे प्रसन्न हुआ (b)उसे यह समाचार सुनकर प्रसन्न हो गया ।

(c) यह समाचार सुनकर उसे प्रसन्नता हुई । (d) यह समाचार सुनकर उसे प्रसन्नता हुआ ।

SECTION B

(Attempt four questions from this section)

(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and two other questions).

(SAHITYA SAGAR – SHORT STORIES)

Question 5

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक दुखिया स्त्री तुमको अपनी सहायता के लिए बुला रही है । जाओ, उसकी सहायता करके लौट आओ ।

(i) वक्ता कौन है ? वक्ता के विषय में एक अनुच्छेद लिखिए । [2]

(ii) ‘दुखिया स्त्री’ किसे कहा गया है और क्यों स्पष्ट कीजिए । [2]

(iii) वक्ता ने किस बात को श्रोता का संदेह और भ्रम बताया ? समझाकर लिखिए । [3]

(iv) ‘संदेह’ कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार लिखिए । [3]

Question 6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“बूढ़ा सियार बोला, “भाइयों और बहनों, मैं भेड़िया संत से अपने मुखारविंद से आपको प्रेम और संदेश देने की प्रार्थना करता पर प्रेमवश उनका हृदय भर आया है ।

(i) बूढ़ा सियार किसको संबोधित कर रहा है ? उसने उनसे क्या कहा ? [2]

(ii) ‘रंगीन प्राणी कौन थे ? उनके विषय में बूढ़े सियार ने क्या जानकारी दी ? [2]

(iii) पीले सियार के ‘हुआँ – हुआँ करने पर बूढ़े सियार ने उसका क्या अर्थ निकाला ? अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए । [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी के द्वारा लेखक ने किस समस्या को उजागर किया है ? स्पष्ट कीजिए । [3]

Question 7

मुझे अपने मित्र श्यामलाकांत को अब इस भीड़ का रहस्य बताने की आवश्यकता नहीं है ।

(i) ‘मुझे‘ शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? उन्हें अपने मित्र को किस भीड़ का रहस्य बताने की आवश्यकता नहीं है और क्यों ? [2]

(ii) श्यामलकांत को अपने भीड़ के कारण किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ? [2]

(iii) ‘भीड़’ से पैदा होने वाली समस्याओं से किस प्रकार छुटकारा मिल सकता है ? समझाइए । [3]

(iv) ‘ भीड़ में खोया आदमी’ निबंध के द्वारा लेखक क्या संदेश देना चाहते हैं ? [3]

साहित्य सागर – पद्य भाग

(SAHITYA SAGAR – POEMS)

Question 8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ;

नाते नेह राम के मनियत, सुहृदय सुसेव्य जहाँ लौं ।

अंजन कहा आँख जेहि फूटे, बहु तक कहों कहाँ लौं ।

तुलसी सो सब भांति परमहित, पूज्य प्रान ते प्यारो ।

जासो होय सनेह राम पद , एतो मतो हमारो ॥

(i) ‘नाते नेह राम के मनियत ‘ के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ? [2]

(ii) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए : [2]

सुहृदय , अंजन , सनेह , सुसेव्य

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखिए । [3]

(iv) तुलसीदास का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए । [3]

Question 9

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ;

पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक ,

चल रहा लकुटिया टेक,

मुट्ठी भर दाने को, भूख मिटाने को,

मुहँ फटी पुरानी झोली को फैलता –

दो टूक कलेजे के करता, पछताता पथ पर आता ।

(i) ‘लकुटिया टेक’ से क्या तात्पर्य है ? लकुटिया टेक कौन चल रहा है और क्यों ? [2]

(ii) ‘पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक’ इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए । [2]

(iii) ‘पछताता पथ पर आता’के माध्यम से कवि ने भिक्षुक के मनोभवों का वर्णन किस प्रकार किया है ? [3]

(iv) पद्यांश के आधार पर भिक्षुक की दशा का वर्णन कीजिए । [3]

Question 10

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ;

इस विशद विश्व प्रवाह में ,

किसको नहीं बहना पड़ा ।

सुख – दुख हमारी ही तरह ,

किसको नहीं सहना पड़ा ।

फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ

मुझ पर विधाता वाम है ।

चलना हमारा काम है ।

() ‘विधाता वाम है’ से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के लोग ऐसा कहते हैं ? [2]

(ii) शब्दार्थ लिखिए : [2]

विशद, विधाता, व्यर्थ, प्रवाह

(iii) ‘इस विशद विश्व प्रवाह में, किसको नहीं बहना पड़ा’, इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [3]

(iv) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ? [3]